Honours paper I (B.A. Part

प्र. सिन्धु-घाटी सभ्यता की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक दशा का वर्णन करें।

सामाजिक दशा: आमरी, झुकरदड़ो, चन्हुदड़ो, हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई से प्राप्त वस्तुओं के अध्ययन के फलस्वरूप सिन्धु घाटी की सामाजिक दशा के बारे में निम्नलिखित ज्ञान प्राप्त होते हैं :-

1. समाज का संगठन: इस सभ्यता के लोगों का समाज चार भागों में बँटा था। पहला वर्ग था विद्वानों का- जैसे: पुजारी, वैद्य और ज्योतिषी। दूसरे वर्ग में योद्धा थे जिनका काम था समाज की रक्षा करना। तीसरा वर्ग था व्यापारियों का और चौथे वर्ग में मजदूर तथा घरेलू नौकर थे।

2. भोजन: सिन्धु सभ्यता के लोगों के मुख्य भोजन थे गेहूँ, जौ, खजूर और चावल क्योंकि मोहनजोदड़ो की खुदाई में ये चीजें प्रचुर मात्रा में मिली हैं। खुदाई में मछलियों की हड्डियाँ भी मिली हैं जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि वे लोग मछली, मांस और अंडे भी खाते थे। फल, फूल, दूध, घी, दही और अन्य तरह की तरकारियाँ भी खूब खाते थे। तथा जलाशयों से लोग पानी पीते थे।

3. वेश-भूषा: यहाँ के लोग सूती और ऊनी दोनों तरह के वस्त्र पहनते थे। रंगीन सादे और बेल-बूटे किये हुए भी कपड़े पहनते थे। खुदाई में शाल ओढ़े एक पुरुष की मूर्ति मिली है। शाल उसके बायें कंधे के ऊपर से और दाहिनी काँख के नीचे से है। लोग दो तरह के वस्त्र पहनते थे - एक कमर से

ऊपर के लिए और दूसरा कमर से नीचे के लिए।
वहाँ की औरतें एक खास तरह का वस्त्र पहनती थी जो सिर के पीछे की ओर पंखे की तरह उठा रहता था। स्त्री और पुरुष के वस्त्रों में कोई विशेष फर्क नहीं था। औरत और मर्द दोनों आभूषण पहनते थे। अंगूठी तो औरत और मर्द दोनों ही पहनते थे। आभूषणों में घूर, भुजबन्द, कर्ण-कंगन, करधनी, नथुनी, पाजेब, बाली और अंगूठी आदि प्रमुख थे। आभूषण सोने-चाँदी, हीरे-जवाहरात, हड्डियाँ और पकी हुई मिट्टी के होते थे। लोग सामर्थ्य के अनुसार आभूषण पहनते थे। औरतें अपने होठ भी रंगती थीं जो आज की लिपिस्टीक की याद दिलाती है। पीतल तथा हाथी के दाँतों के कंघे से औरतें मुँह देखती थी। औरत-मर्द दोनों ही बाल रखते थे और कंघी का प्रयोग करते थे। आज की तरह ही उस युग की औरतें भी दो चोटी बाँधती थी तथा चोटी में फूल लगाती थी।

4. आमोद-प्रमोद के साधन : सिंधु सभ्यता के लोग आमोद-प्रमोद के काफी प्रेमी थे। इनके आमोद-प्रमोद के निम्नलिखित साधन थे- वे लोग धनुष-बाण से जंगली पशुओं, खासकर बकरी, हिरण और भैंसों तथा चिड़ियों को पालने और उड़ाने के शौकीन थे।

JUNE 2021
M T W T F S S
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
28 29 30

प्राचीन भारत का इतिहास

WK 19 (128-237)

2021 • MAY • SATURDAY 08

History Honours Paper-I

5. खिलौने : हड़प्पा और मोहनजोदड़ो, दोनों जगहों में तरह-तरह के खिलौने पाये गये हैं। बच्चे छोटी-छोटी मिट्टी की गाड़ी से बड़े चाव से खेलते थे। बच्चे बच्चों को बजाने के लिए अनेक तरह के भोंपू भी बनाये जाते थे।

6. आवागमन के साधन : सिन्धु सभ्यता में सड़कों तथा गलियों की भरमार थी। सड़कों पर हमेशा गाड़ियाँ आया-जाया करती थी। गाड़ियों पर सामान भी लादकर एक जगह से दूसरी जगह तक पहुँचाया जाता था। बैलगाड़ी ही इनकी मुख्य सवारी थी।

7. औषधि : सिन्धु सभ्यता के लोगों को कई तरह की औषधि का ज्ञान हो गया था। वे रोगों से मुक्ति पाने के लिए औषधि का प्रयोग करते थे।

8. औरतों की दशा : सिन्धु-सभ्यता में मातृ पूजा खूब होती थी। इसी से यह अनुमान लगाया जाता है कि वहाँ SUNDAY 09 औरतों का स्थान ऊँचा था। समाज में उनका अत्यधिक आदर था। अतः माता के रूप में औरतों का बड़ा ऊँचा स्थान था।

AUGUST

(130-235) WK 20

10 MONDAY • MAY • 2021

B.A. Part-I (Hons Paper-I)

APRIL 2021

S	M	T	W	T	F	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

9. शव-संस्कार — आज की तरह ही सिन्धु सभ्यता के लोग शवों के दाह-संस्कार करते थे। प्रसिद्ध विद्वान सर जान मार्शल ने इन लोगों के शव संस्कार करने की तीन तरह की विधी बतलाई है।

* आर्थिक दशा : सिन्धु सभ्यता के लोगों की आर्थिक दशा अत्यन्त ही खुशहाल थी। हड़प्पा तथा मोहन जोदड़ो जैसे विशाल तथा वैभव-पूर्ण नगर निश्चित ही बड़े सम्पन्न रहे होंगे।

* राजनैतिक दशा : उनकी राजनैतिक दशा भी अच्छी थी, लेकिन खुदाई में जो चीजें मिली हैं उनसे सिन्धु घाटी के लोगों के राजनैतिक जीवन पर बहुत कम प्रवेश प्रकाश पड़ता है। परन्तु यह ठीक है कि सिन्धु, पंजाब, पूर्वी बलूचिस्तान और काठियावाड़ तक फैली हुई सिन्ध सभ्यता के क्षेत्र में एक ही संगठन, एक ही व्यवस्था और एक ही तरह का शासन था। इसका ज्वलन्त उदाहरण यह है कि सारे देश में एक ही नाप तथा तौल प्रचलित था। एक तरह की मूर्तियाँ बनती थी, एक ही तरह के ढाँचे पर भवनों का निर्माण होता है या तथा लिपि भी एक ही थी। यातायात की कमी थी इसलिए दो ही राजधानियाँ थी : एक हड़प्पा और एक मोहनजोदड़ो।

D. ma